प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय में 21–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

पंतनगर। 03 नवम्बर 2022। विश्वविद्यालय के सस्य विज्ञान विभाग में सेंटर ऑफ एडवांस्ड फैकल्टी ट्रेनिंग के तत्वावधान में 21–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, डा. शिवेंद्र कुमार कश्यप उपस्थित थे।

अपने उद्घाटन भाषण में डा. शिवेन्द्र कश्यप ने पंतनगर विश्वविद्यालय को देश में शिक्षण, शोध एवं प्रसार प्रणाली को एकीकृत करने तथा सामूहिक बुद्धिमत्ता पैदा करने में अग्रणी रहने की बात कही। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण हमारे पेशे में गतिरोध को कम करते है तथा उसे नवीनता तथा मजबूत करने की प्रेरणा भी देते है। उन्होंने कहा कि भारत ने खाद्य निर्यातक की स्थिति लाने तक बहुत कुछ हासिल किया है, हालांकि सूखे क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों आदि में रहने वाले हाशिए के किसानों के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि सामूहिक बुद्धिमत्ता उत्पन्न करने के लिए ये प्रशिक्षण बहुत अच्छे प्लेटफॉर्म हैं जो अंततः अंतिम उपयोगकर्ता को लाभान्वित करेंगे।

डा. एम.एस. पाल ने सस्य विज्ञान विभाग के बारे में बताते हुए कहा कि कृषि महाविद्यालय के सबसे प्रमुख विभागों में से एक है और आईसीएआर के संकाय उच्च अध्ययन केंद्र तथा डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के फिस्ट कार्यक्रम द्वारा समर्थित है। उन्होंने देश की खाद्य स्थिति के बारे में कहा कि भले ही हम पर्याप्त भोजन का उत्पादन कर रहे हैं, लेकिन भोजन की उपलब्धता एक समस्या है और हमें भोजन को सभी के लिए उपलब्ध और सुलभ बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्रामीण गरीबी और इससे निपटने के तरीकों और साधनों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि 2050 तक हमें 481 मिलियन टन भोजन की आवश्यकता होगी और इसके लिए हमें 5.5 टन/वर्ष की दर से खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने मिट्टी की स्थिरता और खाद्य सुरक्षा के बीच संबंधों पर भी चर्चा की और खाद्य अपव्यय पर चिंता व्यक्त की। पाठ्यक्रम समन्वयक डा. एम.एस. नेगी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रशिक्षण के विषय का महत्व बताया। धन्यवाद प्रस्ताव डा. अजय कुमार ने दिया। कार्यक्रम का संचालन आस्तिका पांडेय और अंजलि मेहता ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश राजस्थान, मध्य प्रदेश और केरल के 23 प्रतिभागी उपस्थित थे।

निदेशक संचार